स्वास्थ्य-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सीएसआईआर–सीरी की महत्वपूर्ण उपलब्धि

संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित ‘मेडिसिंक’ का प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

सीएसआईआर – केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीरी), पिलानी ने स्वास्थ्य-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए रोगियों की मॉनीटरिंग के लिए विकसित आईओटी आधारित स्मार्ट प्लैटफॉर्म “मेडिसिंक” का तकनीकी हस्तांतरण किया। यह प्रौद्योगिकी ‘मेसर्स वर्टेक्स मेडिटेक’ को दिनांक 1 अप्रैल 2026 को हस्तांतरित की गई। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण संबंधी दस्तावेजों के आदान-प्रदान कार्यक्रम में मेसर्स वर्टेक्स मेडिटेक की ओर से कंपनी के प्रतिनिधि श्री संदीप मुदगल एवं श्री विवेक यादव तथा सीएसआईआर-सीरी की ओर से संस्थान के निदेशक डॉ. पी. सी. पंचारिया सहित प्रौद्योगिकी एवं व्यवसाय संवर्धन यूनिट (टीबीडी) के प्रमुख डॉ. नीरज कुमार, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, एवं टीबीडी टीम के सदस्य उपस्थित थे।

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण दस्तावेजों के आदान-प्रदान के अवसर पर उपस्थित वर्टेक्स मेडिटेक के प्रतिनिधि और सीएसआईआर-सीरी के अधिकारीगण

इस अवसर पर अपने संबोधन में संस्थान के निदेशक डॉ. पी. सी. पंचारिया ने डॉ. सत्यम श्रीवास्तव के नेतृत्व में प्रौद्योगिकी का विकास करने वाली टीम के सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि “मेडिसिंक” जैसी स्वदेशी तकनीकें देश में डिजिटल हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने कहा कि यह तकनीक विशेष रूप से दूर-दराज क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच बढ़ाने में भी सहायक होगी।

प्रौद्योगिकी विकासकर्ता डॉ. सत्यम श्रीवास्तव, प्रधान वैज्ञानिक ने विकसित डिवाइस (तकनीक) की जानकारी देते हुए बताया कि इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य किफायती, विश्वसनीय एवं कनेक्टेड पेशेंट मॉनिटरिंग समाधान प्रदान करना है, जिससे चिकित्सकों को समय पर और सटीक निर्णय लेने में सहायता मिल सके। उन्होंने इस अवसर पर प्रौद्योगिकी विकासकर्ता टीम के साथियों श्रीसूरज मुखिया एवं श्री आकाश वाघरे के सहयोग की सराहना की।

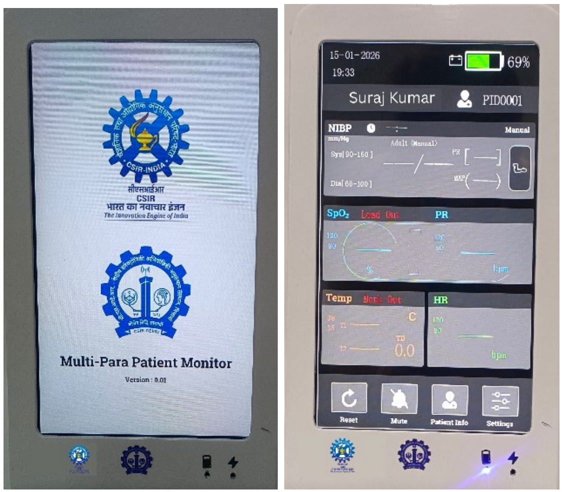
Multi-Para Patient Monitor
Version : 0.01
15-01-2026
19:33
69%
Suraj Kumar
PID0001
NIBP
Manual
Adult (Manual)
Sys[90-160]
Dia[60-100]
SpO₂
PR
Temp
HR
bpm
Reset
Mute
Patient Info
Settings

विकसित प्रौद्योगिकी का प्रोटोटाइप

क्या है मेडिसिंक (MEDISYNC) तकनीक

यह सीएसआईआर-सीरी में विकसित “मेडिसिंक” एक उन्नत स्मार्ट आईओटी-आधारित मल्टीपैरामीटर पेशेंट मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म है, जो ईसीजी (ECG), ऑक्सीजन सैचुरेशन (SpO_2), पल्स रेट, नॉन-इनवेसिव ब्लड प्रेशर (NIBP) तथा शरीर का तापमान जैसे महत्वपूर्ण वाइटल्स को उच्च सटीकता के साथ मापने में सक्षम है। यह प्रणाली इंटेलिजेंट सेंसिंग आर्किटेक्चर पर आधारित है, जिसमें उन्नत सिग्नल प्रोसेसिंग एवं नॉइज़ रिडक्शन एल्गोरिद्म के माध्यम से विश्वसनीय एवं क्लिनिकली उपयोगी डेटा प्राप्त होता है। यह डिवाइस रियल-टाइम डेटा एक्विज़िशन एवं क्लाउड कनेक्टिविटी के माध्यम से

मरीज की जानकारी को सुरक्षित रूप से सर्वर पर ट्रांसफर करती है, जिससे डॉक्टर दूर-दराज के क्षेत्रों अर्थात कहीं से भी मरीज की निगरानी (Remote Monitoring) कर सकते हैं। साथ ही इसमें लाइव डैशबोर्ड, ट्रेंड एनालिसिस, हिस्टोरिकल डेटा लॉगिंग एवं मल्टी-यूजर एक्सेस जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जो डॉक्टरों को बेहतर क्लिनिकल निर्णय लेने में सहायक होंगी।

अन्य विशेषताएँ

इसमें इंटेलिजेंट अलार्मिंग सिस्टम समाहित है, जो पूर्व-निर्धारित एवं डायनेमिक थ्रेशोल्ड के आधार पर असामान्य स्थितियों की पहचान कर तुरंत ऑडियो-विजुअल अलर्ट प्रदान करता है तथा AI-आधारित एनालिटिक्स के माध्यम से संभावित जोखिमों का प्रारंभिक संकेत देने में सक्षम है। इसके अतिरिक्त, 'मेडिसिंक' में इंटेलिजेंट बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम (BMS) शामिल है, जो पावर ऑप्टिमाइजेशन, बैटरी हेल्थ मॉनिटरिंग एवं लंबी अवधि तक निर्बाध संचालन सुनिश्चित करता है, जिससे यह पोर्टेबल एवं फील्ड उपयोग के लिए उपयुक्त बनता है। यह प्लेटफॉर्म मॉड्यूलर एवं स्केलेबल डिजाइन, डेटा सिक्योरिटी प्रोटोकॉल तथा अस्पताल सूचना प्रणालियों (HIS) के साथ एकीकरण (इंटीग्रेशन) की क्षमता भी प्रदान करता है, जिससे यह अस्पतालों से लेकर दूरस्थ एवं संसाधन-सीमित क्षेत्रों तक प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने में सक्षम है।

इस तकनीक के औद्योगिक हस्तांतरण से इसके व्यावसायिक उत्पादन एवं व्यापक उपयोग का मार्ग प्रशस्त हुआ है, जिससे 'मेक इन इंडिया' एवं 'आत्मनिर्भर भारत' अभियानों को बल मिलेगा तथा देश में स्वदेशी चिकित्सा उपकरणों के विकास को नई दिशा मिलेगी।

समाचार की मीडिया कवरेज

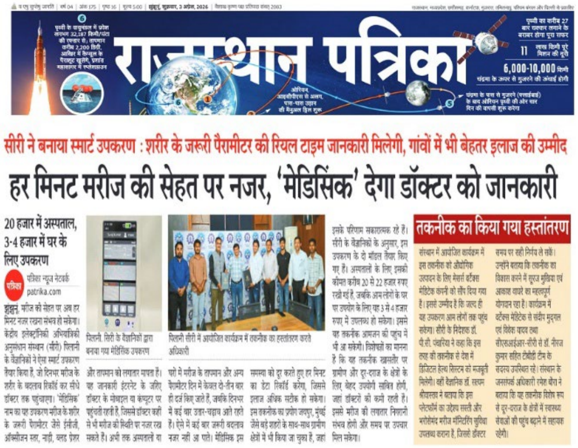
पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश लगभग 32,187 किमी/घंटा की रफ्तार से, तापमान करीब 2,200 डिग्री, आखिर में कैप्सूल के पैराशूट खुलेंगे, प्रशांत महासागर में स्प्लैशडाउन
ओरियन, आइसीपीएस से अलग, पास-पास उड़ान की मैनुअल ड्रिल शुरू
पृथ्वी का करीब 27 बार चक्कर लगाने के बराबर होगा पूरा सफर
11 लाख किमी पूरे मिशन की दूरी
6,000-10,000 किमी चंद्रमा के ऊपर से गुजरने की ऊंचाई होगी
चंद्रमा के पास से गुजरने (फ्लाईबाई) के बाद ओरियन पृथ्वी की ओर चार दिन की वापसी शुरू करेगा

राजस्थान पत्रिका

सीरी ने बनाया स्मार्ट उपकरण : शरीर के जरूरी पैरामीटर की रियल टाइम जानकारी मिलेगी, गांवों में भी बेहतर इलाज की उम्मीद

हर मिनट मरीज की सेहत पर नजर, 'मेडिसिंक' देगा डॉक्टर को जानकारी

20 हजार में अस्पताल, 3-4 हजार में घर के लिए उपकरण

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

झुंझुनूं. मरीज की सेहत पर अब हर मिनट नजर रखना संभव हो सकेगा। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) पिलानी के वैज्ञानिकों ने ऐसा स्मार्ट उपकरण तैयार किया है, जो दिनभर मरीज के शरीर के बदलाव रिकॉर्ड कर सीधे डॉक्टर तक पहुंचाएगा। 'मेडिसिंक' नाम का यह उपकरण मरीज के शरीर के जरूरी पैरामीटर जैसे ईसीजी, ऑक्सीजन स्तर, नाड़ी, ब्लड प्रेशर और तापमान को लगातार मापता है। यह जानकारी इंटरनेट के जरिए डॉक्टर के मोबाइल या कंप्यूटर पर पहुंचती रहती है, जिससे डॉक्टर कहीं से भी मरीज की स्थिति पर नजर रख सकते हैं। अभी तक अस्पतालों या घरों में मरीज के तापमान और अन्य पैरामीटर दिन में केवल दो-तीन बार ही दर्ज किए जाते हैं, जबकि दिनभर में कई बार उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। ऐसे में कई बार जरूरी बदलाव नजर नहीं आ पाते। मेडिसिंक इस समस्या को दूर करते हुए हर मिनट का डेटा रिकॉर्ड करेगा, जिससे इलाज अधिक सटीक हो सकेगा। इस तकनीक का प्रयोग जयपुर, मुंबई जैसे बड़े शहरों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी किया जा चुका है, जहां इसके परिणाम सकारात्मक रहे हैं। सीरी के वैज्ञानिकों के अनुसार, इस उपकरण के दो मॉडल तैयार किए गए हैं। अस्पतालों के लिए इसकी कीमत करीब 20 से 22 हजार रुपए रखी गई है, जबकि आम लोगों के घर पर उपयोग के लिए यह 3 से 4 हजार रुपए में उपलब्ध हो सकेगा। इससे यह तकनीक आमजन की पहुंच में भी आ सकेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तकनीक खासतौर पर ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी, जहां डॉक्टरों की कमी रहती है। इससे मरीज की लगातार निगरानी संभव होगी और समय पर उपचार मिल सकेगा।

पिलानी. सिरी के वैज्ञानिकों द्वारा बनाया गया मेडिसिंक उपकरण

पिलानी सीरी में आयोजित कार्यक्रम में तकनीक का हस्तांतरण करते अधिकारी

तकनीक का किया गया हस्तांतरण

संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में इस तकनीक को औद्योगिक उत्पादन के लिए मेसर्स वर्टेक्स मेडिटेक कंपनी को सौंप दिया गया है। इससे उम्मीद है कि जल्द ही यह उपकरण आम लोगों तक पहुंच सकेगा। सीरी के निदेशक डॉ. पी.सी. पंचारिया ने कहा कि इस तरह की तकनीक से देश में डिजिटल हेल्थ सिस्टम को मजबूती मिलेगी। वहीं वैज्ञानिक डॉ. सत्यम श्रीवास्तव ने बताया कि इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य सस्ती और भरोसेमंद मरीज मॉनिटरिंग सुविधा उपलब्ध कराना है, जिससे डॉक्टर समय पर सही निर्णय ले सकें। उन्होंने बताया कि तकनीक का विकास करने में सूरज मुखिया एवं आकाश वाघरे का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कार्यक्रम में वर्टेक्स मेडिटेक से संदीप मुद्गल एवं विवेक यादव तथा सीएसआईआर-सीरी से डॉ. नीरज कुमार सहित टीबीडी टीम के सदस्य उपस्थित रहे। संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी रमेश बौरा ने बताया कि यह तकनीक विशेष रूप से दूर-दराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में सहायक रहेगी।

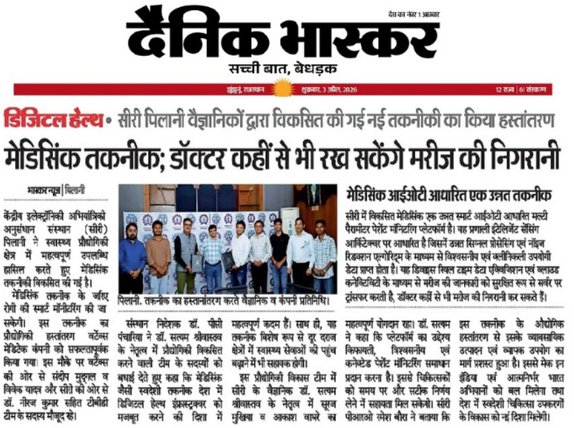

देश का नंबर 1 अखबार

दैनिक भास्कर

सच्ची बात, बेधड़क

झुंझुनूं, राजस्थान | शुक्रवार, 3 अप्रैल, 2026 | 12 राज्य | 61 संस्करण

डिजिटल हेल्थ • सीरी पिलानी वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई नई तकनीकी का किया हस्तांतरण

मेडिसिंक तकनीक; डॉक्टर कहीं से भी रख सकेंगे मरीज की निगरानी

भास्कर न्यूज | पिलानी

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) पिलानी ने स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए मेडिसिंक तकनीकी विकसित की गई है।

मेडिसिंक तकनीक के जरिए रोगी की स्मार्ट मॉनीटरिंग की जा सकेगी। इस तकनीक का प्रौद्योगिकी हस्तांतरग वर्टेक्स मेडिटेक कंपनी को सफलतापूर्वक किया गया। इस मौके पर वर्टेक्स की ओर से संदीप मुद्गल व विवेक यादव और सीरी की ओर से डॉ. नीरज कुमार सहित टीबीडी टीम के सदस्य मौजूद रहे।

संस्थान निदेशक डॉ. पीसी पंचारिया ने डॉ. सत्यम श्रीवास्तव के नेतृत्व में प्रौद्योगिकी विकसित करने वाली टीम के सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि मेडिसिंक जैसी स्वदेशी तकनीक देश में डिजिटल हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। साथ ही, यह तकनीक विशेष रूप से दूर दराज क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में भी सहायक होगी।

इस प्रौद्योगिकी विकास टीम में सीरी के वैज्ञानिक डॉ. सत्यम श्रीवास्तव के नेतृत्व में सूरज मुखिया व आकाश वाघरे का महत्वपूर्ण योगदान रहा। डॉ. सत्यम ने कहा कि प्लेटफॉर्म का उद्देश्य किफायती, विश्वसनीय एवं कनेक्टेड पेशेंट मॉनिटरिंग समाधान प्रदान करना है। इससे चिकित्सकों को समय पर और सटीक निर्णय लेने में सहायता मिल सकेगी। सीरी पीआरओ रमेश बौरा ने बताया कि इस तकनीक के औद्योगिक हस्तांतरण से इसके व्यावसायिक उत्पादन एवं व्यापक उपयोग का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे मेक इन इंडिया एवं आत्मनिर्भर भारत अभियानों को बल मिलेगा तथा देश में स्वदेशी चिकित्सा उपकरणों के विकास को नई दिशा मिलेगी।

पिलानी. तकनीक का हस्तानांतरग करते वैज्ञानिक व कंपनी प्रतिनिधि।

मेडिसिंक आईओटी आधारित एक उन्नत तकनीक

सीरी में विकसित मेडिसिंक एक उन्नत स्मार्ट आईओटी आधारित मल्टी पैरामीटर पेशेंट मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म है। यह प्रणाली इंटेलिजेंट सेंसिंग आर्किटेक्चर पर आधारित है जिसमें उन्नत सिग्नल प्रोसेसिंग एवं नॉइज रिडक्शन एल्गोरिद्म के माध्यम से विश्वसनीय एवं क्लीनिकली उपयोगी डेटा प्राप्त होता है। यह डिवाइस रियल टाइम डेटा एक्विजिशन एवं क्लाउड कनेक्टिविटी के माध्यम से मरीज की जानकारी को सुरक्षित रूप से सर्वर पर ट्रांसफर करती है, डॉक्टर कहीं से भी मरीज की निगरानी कर सकते हैं।

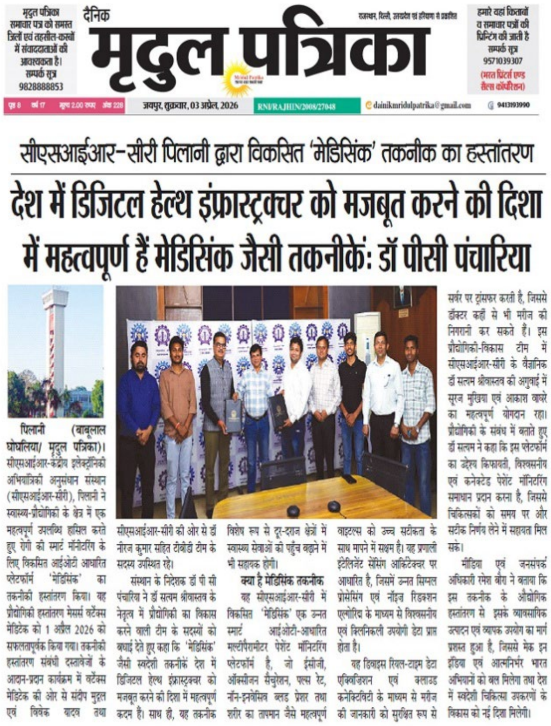

मृदुल पत्रिका समाचार पत्र को समस्त ज़िलों एवं तहसील-कस्बों में संवाददाताओं की आवश्यकता है। सम्पर्क सूत्र 9828888853

दैनिक

मृदुल पत्रिका

राजस्थान, दिल्ली, उत्तरप्रदेश एवं हरियाणा से प्रकाशित

हमारे यहां किताबों व समाचार पत्रों की प्रिन्टिंग की जाती है सम्पर्क सूत्र 9571039307 (भरत प्रिंटर्स एण्ड सेल्स कॉर्पोरेशन)

पृष्ठ 8 वर्ष 17 मूल्य 2.00 रुपए अंक 228 | जयपुर, शुक्रवार, 03 अप्रेल, 2026 | RNI/RAJHIN/2008/27048 | dainikmridulpatrika@gmail.com | 9413193990

सीएसआईआर–सीरी पिलानी द्वारा विकसित 'मेडिसिंक' तकनीक का हस्तांतरण

देश में डिजिटल हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं मेडिसिंक जैसी तकनीकें: डॉ पीसी पंचारिया

पिलानी (बाबूलाल घोघलिया/ मृदुल पत्रिका)। सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीरी), पिलानी ने स्वास्थ्य-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए रोगी की स्मार्ट मॉनीटरिंग के लिए विकसित आईओटी आधारित प्लेटफॉर्म 'मेडिसिंक' का तकनीकी हस्तांतरण किया। यह प्रौद्योगिकी हस्तांतरण मेसर्स वर्टेक्स मेडिटेक को 1 अप्रैल 2026 को सफलतापूर्वक किया गया। तकनीकी हस्तांतरण संबंधी दस्तावेजों के आदान-प्रदान कार्यक्रम में वर्टेक्स मेडिटेक की ओर से संदीप मुद्गल एवं विवेक यादव तथा सीएसआईआर-सीरी की ओर से डॉ नीरज कुमार सहित टीबीडी टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने डॉ सत्यम श्रीवास्तव के नेतृत्व में प्रौद्योगिकी का विकास करने वाली टीम के सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि 'मेडिसिंक' जैसी स्वदेशी तकनीकें देश में डिजिटल हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। साथ ही, यह तकनीक विशेष रूप से दूर-दराज क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच बढ़ाने में भी सहायक होगी।

क्या है मेडिसिंक तकनीक

यह सीएसआईआर-सीरी में विकसित 'मेडिसिंक' एक उन्नत स्मार्ट आईओटी-आधारित मल्टीपैरामीटर पेशेंट मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म है, जो ईसीजी, ऑक्सीजन सैचुरेशन, पल्स रेट, नॉन-इनवेसिव ब्लड प्रेशर तथा शरीर का तापमान जैसे महत्वपूर्ण वाइटल्स को उच्च सटीकता के साथ मापने में सक्षम है। यह प्रणाली इंटेलिजेंट सेंसिंग आर्किटेक्चर पर आधारित है, जिसमें उन्नत सिग्नल प्रोसेसिंग एवं नॉइज रिडक्शन एल्गोरिद्म के माध्यम से विश्वसनीय एवं क्लिनिकली उपयोगी डेटा प्राप्त होता है।

यह डिवाइस रियल-टाइम डेटा एक्विजिशन एवं क्लाउड कनेक्टिविटी के माध्यम से मरीज की जानकारी को सुरक्षित रूप से सर्वर पर ट्रांसफर करती है, जिससे डॉक्टर कहीं से भी मरीज की निगरानी कर सकते हैं। इस प्रौद्योगिकी-विकास टीम में सीएसआईआर-सीरी के वैज्ञानिक डॉ सत्यम श्रीवास्तव की अगुवाई में सूरज मुखिया एवं आकाश वाघरे का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रौद्योगिकी के संबंध में बताते हुए डॉ सत्यम ने कहा कि इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य किफायती, विश्वसनीय एवं कनेक्टेड पेशेंट मॉनिटरिंग समाधान प्रदान करना है, जिससे चिकित्सकों को समय पर और सटीक निर्णय लेने में सहायता मिल सके।

मीडिया एवं जनसंपर्क अधिकारी रमेश बौरा ने बताया कि इस तकनीक के औद्योगिक हस्तांतरण से इसके व्यावसायिक उत्पादन एवं व्यापक उपयोग का मार्ग प्रशस्त हुआ है, जिससे मेक इन इंडिया एवं आत्मनिर्भर भारत अभियानों को बल मिलेगा तथा देश में स्वदेशी चिकित्सा उपकरणों के विकास को नई दिशा मिलेगी।